Code No. **29/1/1**
कोड नं.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 13 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

हिन्दी (वैकल्पिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 100*

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7, 7

(क) बंदौं गुरपद पदुम परागा । सुरुचि सुबास सरस अनुरागा ।।
अमिअ मूरिमय चूरनु चारू । समन सकल भवरुज परिवारू ।।
सुकृत संभु तन बिमल बिभूती । मंजुल मंगल मोद प्रसूती ।।
जन मन मंजु मुकुर मल हरनी । किएँ तिलकु गुनगन बसकरनी ।।
श्रीगुरपद नख मनिगन जोती । सुमिरत दिब्य दृष्टि हियँ होती ।।

अथवा

जा दिन ते छबि सों मुसुकान कहूँ, निरखे नंदलाल बिलासी ।
ता दिन ते मन-ही-मन में, मतिराम पियै मुसकानि सुधा-सी ।
नेकु निमेष न लागत नैन, चके चितवै तिय देव-तिया-सी ।
चंद-मुखी न चलै, न हिलै, निरबात निवास में दीप-सिखा-सी ।

(ख) भुनती वसुधा, तपते नग,
दुखिया है सारा अग-जग,
कंटक मिलते हैं प्रति पग,
जलती सिकता का यह मग,
बह जा बन करुणा की तरंग,
जलता है यह जीवन पतंग ।

अथवा

धो डालो फूलों का पराग गालों पर से,
आनन पर से यह आनन अपर हटाओ तो;
कितने पानी में हो, इसको जग भी देखे,
तुम पल भर को केवल मनुष्य बन जाओ तो।

2. (क) ''तन ढँका जाएगा धागों से, परंतु
लाज भी तो चाहिए तन के लिए ।''
इन काव्य-पंक्तियों का आशय 'जन-मन के लिए' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) ''होई पुनीत भगवंत भजन ते आपु तारि तारै कुल दोइ ।'' — काव्य-पंक्ति का आशय स्पष्ट करते हुए बताइए कि अपने किन गुणों के कारण ईश्वर-भक्त अन्य सबसे अनूठा है। 3

3. निम्नलिखित पंक्तियों में निहित काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : 5

ससि-मुख, अंग मलयगिरि बासा। नागिन झाँपि लीन्ह चहुँ पासा ।।
ओनई घटा परी जग छाहाँ। ससि के सरन लीन्ह जनु राहाँ ।।

अथवा

भावना के कर्तव्य त्याग दिए,
हृदय के मंतव्य मार डाले !
बुद्धि का भाल ही फोड़ दिया,
तर्कों के हाथ उखाड़ दिए,
जम गए, जाम हुए, फँस गए,
अपने ही कीचड़ में धँस गए !!

4. विद्यापति **अथवा** सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का संक्षिप्त जीवन-परिचय देते हुए उनकी रचनाओं और काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 6

5. किन्हीं **दो** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6, 6

(क) व्यवस्था का एक चरित्र होता है कि वह जहाँ अपने बदलने का ख़तरा देखती है, सुरक्षा के लिए कवच बना लेती है और कवच के लिए उसी सामग्री का उपयोग करती है जो बदलाव करने वालों के हाथ में होती है ।

(ख) करने वाला इतिहास निर्माता होता है, सिर्फ़ सोचते रहने वाला इतिहास के भयंकर रथचक्र के नीचे पिस जाता है। इतिहास का रथ वह हाँकता है, जो सोचता है और सोचे को करता भी है।

(ग) काल इतना विशाल है और पृथ्वी इतनी विस्तृत है कि बड़े-बड़े सम्राटों की कीर्ति फीकी पड़ जाती है। जिनके जीवन और मरण के अवसर एक ही साँस में संसार को आनंद के कोलाहल और शोक के सन्नाटे से भर सकते हैं वे ही बड़े नहीं हैं, बड़े वे भी हैं, जिनका जीवन-दीप सूने में ही बुझ गया है, किन्तु जिनकी अमर ज्योति एक के पास से दूसरे के पास जाकर सबको आलोकित करेगी, धीरे ही धीरे सबके अनुभव में आएगी, सबको प्रकाश देगी।

6. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर 50–60 शब्दों में होना चाहिए। 4, 4

(क) राहुल सांकृत्यायन ने किन-किन उदाहरणों द्वारा घुमक्कड़ को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ विभूति सिद्ध किया है ? – 'अथातो घुमक्कड़-जिज्ञासा' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ख) क्रोध को शांतिभंग करने वाला मनोविकार मानते हुए भी लेखक ने 'सामाजिक जीवन में क्रोध की जरूरत बराबर पड़ती है।' ऐसा क्यों कहा है ? उदाहरण देते हुए लेखक का मन्तव्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित निंदा करने वाले को दण्ड देने की जरूरत क्यों नहीं है ? 'निंदा रस' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

7. मुंशी प्रेमचंद **अथवा** मिर्ज़ा ग़ालिब के जीवन का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए और उनकी भाषा-शैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 5

8. (क) 'ज्यों मेंहदी को रंग' **अथवा** 'निर्मला' उपन्यास के कथानक की विशेषताओं पर 60–70 शब्दों में प्रकाश डालिए। 5

(ख) 'ज्यों मेंहदी को रंग' उपन्यास के आधार पर दद्दा की **अथवा** 'निर्मला' उपन्यास के आधार पर सुधा की किन्हीं चार चरित्रगत विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 4

9. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40–50 शब्दों में दीजिए : 3, 3

(क) 'ज्यों मेंहदी को रंग' **अथवा** 'निर्मला' उपन्यास का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) भाषा-शैली की दृष्टि से 'निर्मला' **अथवा** 'ज्यों मेंहदी को रंग' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

(ग) 'देशकाल और वातावरण की दृष्टि से 'ज्यों मेंहदी को रंग' **अथवा** 'निर्मला' एक सफल उपन्यास है।' – इस कथन पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

10. द्विवेदी-युगीन काव्य की चार प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख करते हुए इस काल के दो प्रसिद्ध कवियों का नामोल्लेख कीजिए। 5

अथवा

संत-काव्य को ज्ञानमार्गी भक्तिकाव्य क्यों कहा गया है ? संत-काव्य की चार सामान्य विशेषताओं का भी उल्लेख कीजिए।

11. 'नई कविता' की चार प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालते हुए 'नई कविता' के किन्हीं दो कवियों का नामोल्लेख कीजिए। 5

अथवा

छायावाद को 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' क्यों कहा जाता है ? छायावादी काव्य की चार प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख भी कीजिए।

12. प्रसादोत्तर युग के नाटक-साहित्य के विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 5

अथवा

प्रेमचंदोत्तर युग की कहानी के विकास पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

13. किसी **एक** विषय पर लगभग 450 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 15

(क) भारत का प्राकृतिक सौंदर्य

(ख) दिन-दिन बढ़ता प्रदूषण

(ग) वरिष्ठ नागरिकों के प्रति हमारा उत्तरदायित्व

(घ) कामकाजी नारी और उसका परिवार

(ङ) जीवन-मूल्यों के विकास में साहित्यकार की भूमिका